दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3845 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-5 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 24 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की असली ऊँचाई उसकी बोली से नहीं, उसकी सोच से मापी जाती है; और सोच की दिशा हमेशा वही सही होती है, जो किसी और के जीवन में रोशनी बढ़ाए, अँधेरा नहीं। '

बॉर्डर कब बदल जाए कोई नहीं जानता: आज सिंध भारत से अलग, हो सकता है कल ये वापस आ जाए : राजनाथ

भीम प्रज्ञा न्यूज

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। और जहां तक जमीन की बात है। कब बॉर्डर बदल जाए कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। राजनाथ सिंह ने ये बातें रविवार को दिल्ली में सिंधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने लाल कृष्ण आडवाणी का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने (आडवाणी) अपनी एक किताब में लिखा था कि सिंधी हिंदू, खासकर उनकी पीढ़ी के लोग अभी भी सिंध को भारत से अलग नहीं मानते हैं। दरअसल 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद सिंध प्रांत पाकिस्तान में चला गया। यह पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा प्रांत है। जिसकी राजधानी कराची है। प्रांत में उर्दू, सिंधी और अंग्रेजी बोली जाती है।

हिंदू-मुस्लिमों ने मिलकर लड़ी थी अलग सिंध की लड़ाई

1936 तक गुजरात और महाराष्ट्र के साथ सिंध भी बॉम्बे प्रोविंस का हिस्सा हुआ करता था। इसे अलग प्रोविंस बनवाने के लिए सिंध के मुस्लिमों और हिंदुओं ने मिलकर आंदोलन किया था। सिंध में रहने वाले लोगों का कहना था कि मराठी और गुजरातियों के दबदबे के चलते उनके हकों और परंपराओं को दरकिनार किया जा रहा है। 1913 में हरचंद्राई नाम के एक हिंदू ने ही सिंध के लिए एक अलग कांग्रेस असेंबली की मांग की थी। 1936 में सिंध के अलग प्रांत बनते ही वहां की राजनीतिक आबोहवा बदलने लगी। 1938 में इसी जमीं से पहली बार अलग पाकिस्तान की मांग उठी। सिंध की राजधानी कराची में हुए मुस्लिम लीग के सालाना सेशन में मुहम्मद अली जिन्ना ने पहली बार आधिकारिक तौर पर मुस्लिमों के लिए अलग देश पाकिस्तान की मांग की थी। 1942 में सिंध की विधानसभा ने पाकिस्तान की मांग को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया। इस वक्त सिंध के लोगों को इस बात की भनक तक नहीं थी कि बंटवारा उन्हें बर्बादी की तरफ धकेलेगा। प्रस्ताव के महज 5 साल बाद 1947 में भारत 2 टुकड़ों में बंट गया। बाकी पाकिस्तान की तरह यहां से भी हिंदुओं को अपना घर छोड़कर भारत की तरफ कूच करना पड़ा।

अब जानिए सिंध प्रांत के भारत से अलग होने की कहानी...

1947 में जब भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ तो हजारों साल पुराना और 2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला थार रेगिस्तान भी इसकी भेंट चढ़ गया। ये बंटवारा महज रेगिस्तान की धूल भर का नहीं था। इस बंटवारे के बाद हुए पलयान से पूरे सिंध की खुशहाली और तरक्की हिंसा और गरीबी में तब्दील हो गई।मिडिल क्लास हिंदू सिंध छोड़कर भारत चले गए। वहीं, भारत से यहां आए मुस्लिम सिंध के मुस्लिमों को रास नहीं आए। भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तान के सिंधी मुहाजिर कहने लगे। नतीजा ये हुआ कि सिंधियों और मुहाजिरों के बीच हिंसा छिड़ गई। जो लगभग 20 सालों तक इलाके की तरक्की में बाधा बनती रही।

20वीं सदी के शुरुआती दौर तक हिंदुओं की भूमिका अहम थी

20वीं सदी के शुरुआती दौर तक सिंध की इकोनॉमी और उसकी शासन व्यवस्था में हिंदुओं की भूमिका अहम थी। पाकिस्तानी रिसर्चर और लेखक ताहिर मेहदी के मुताबिक बंटवारे से पहले सिंध में हिंदू आबादी मिडिल क्लास और अपर क्लास के दायरे में आती थी। ये लोग सिंध के शहरी इलाकों कराची और हैदराबाद में रहते थे। ये हिंदू न सिर्फ स्किल्ड थे, बल्कि इन्हें व्यापार की गहरी समझ भी थी। बंटवारे के वक्त 8 लाख हिंदुओं को सिंध छोड़ना पड़ा था। इससे सिंध में कुछ महीनों के भीतर ही मिडिल क्लास तबका पूरी तरह गायब हो गया। पीछे सिर्फ दलित हिंदू बचे। इससे वहां की अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लगा। भारत से पलायन कर सिंध में जो लोग आए उनमें वो स्किल नहीं थीं। पाकिस्तान के अखबार डॉन में ताहिर लिखते हैं कि भारत का सिंधी समुदाय आज भी खुशहाल है, उनके बड़े बिजनेस हैं। इसके ठीक उलट पाकिस्तान के सिंधी गरीब हैं।

ऑपरेशन 'जीवन ज्योति' के तहत नशा मुक्ति टीम की सक्रिय पहल

फतेहाबाद व रतिया में 5 ड्रग पीड़ितों की काउंसलिंग, दी गई औषधियां और जनजागरूकता अभियान

चेतावनी: 'नशे का इंजेक्शन लगाओगे तो 100 प्रतिशत मौत निश्चित है '

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' के तहत फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा उन्मूलन और पुनर्वास की दिशा में निरंतर सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने फतेहाबाद और रतिया का दौरा किया। टीम ने नशे की गिरफ्त में आए युवाओं और नागरिकों से संवाद कर उन्हें पुनर्वास एवं नशामुक्त जीवन की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान फतेहाबाद के 2 और रतिया के 3 ड्रग पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। सभी की व्यक्तिगत काउंसलिंग की गई और उनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति के अनुसार आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक औषधियां उपलब्ध कराई गईं। टीम ने पीड़ितों को स्पष्ट चेतावनी दी– 'नशे का इंजेक्शन लगाओगे तो 100 प्रतिशत मौत निश्चित है।' साथ ही, यह समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति का, बल्कि उसके परिवार और समाज का भी जीवन धीरे-धीरे तबाह कर देता है। नशा मुक्ति टीम ने शहर की गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर आम नागरिकों से भी संवाद किया। शहरवासियों को बताया गया कि नशा समाज के लिए गंभीर खतरा है और यदि किसी को नशे या उसके कारोबार के संबंध में जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। शहरवासियों ने इस मुहिम में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। एसआई सुंदर ने बताया कि ऑपरेशन जीवन ज्योति के अंतर्गत जिलेभर में नशा पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग और उपचार की प्रक्रिया निरंतर जारी है। पुलिस विभाग का उद्देश्य केवल नशे की सप्लाई चेन को तोड़ना नहीं, बल्कि पीड़ितों को सामान्य और सम्मानजनक जीवन में लौटाना भी है।फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह मानवीय अभियान समाज में सकारात्मक संदेश दे रहा है और युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा प्रदान कर रहा है। अभियान आने वाले दिनों में जिले के अन्य वार्डो व गांवों में भी निरंतर जारी रहेगा।

सिक्किम के राज्यपाल के पारिवारिक समारोह में शामिल हुए सुभाष और मधु शर्मा, वसुंधरा राजे से की शिष्टाचार भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं के प्रमुख भाजपा नेता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सुभाष शर्मा और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष चिड़ावा मधु शर्मा, ने शनिवार को सादड़ी में आयोजित एक भव्य पारिवारिक समारोह में सम्मानपूर्वक सहभागिता दी। यह समारोह सिक्किम के महामहिम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर की सुपौत्री के विवाह के उपलक्ष्य में रणकपुर रोड स्थित लाल बाग में आयोजित किया गया था। यह आयोजन राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्र की अनेक हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति से सराबोर रहा।

वसुंधरा राजे से मुलाकात

समारोह के दौरान, सुभाष शर्मा और मधु शर्मा ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से शिष्टाचार भेंट की। राजे ने दोनों नेताओं का गर्मजोशी से अभिवादन स्वीकार किया और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गणमान्य व्यक्तियों से भेंट

इस अवसर पर, दोनों नेताओं ने कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों से भी मुलाकात की। इनमें सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, झुंझुनूं जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, और जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. लोकेश शेखावत शामिल थे। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सुभाष शर्मा एवं मधु शर्मा को सिक्किम भ्रमण का न्यौता भी दिया। समारोह में विशाल शर्मा और प्रमोद सैनी भी उनके साथ रहे। यह संपूर्ण आयोजन सौहार्दपूर्ण, आत्मीय और पारिवारिक वातावरण में संपन्न हुआ।

झुंझुनूं में 1 लाख उपभोक्ताओं को दिलवाएंगे शपथ

अधिकारों के प्रति जागरूकता का महाअभियान, कंज्यूमर वॉयस न्यायोत्सव की शुरुआत

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा आयोजित 30 दिवसीय Consumers Voice न्यायोत्सव' के तहत उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत सोमवार सुबह 11 बजे होगी।इस महाअभियान का उद्देश्य आमजन को उनके उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अनुचित व्यापार व्यवहार या सेवादोष की स्थिति में न्याय पाने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ आज सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर किया जाएगा। इस आयोजन में बार एसोसिएशन भी सक्रिय सहयोग प्रदान करेगा। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने इस अवसर पर आमजन से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है।

झुंझुनूं में तीन नई पंचायत समितियों का गठन:टोडी गुढ़ा, गोठड़ा और बबाई को नई पंचायत समिति मिली

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं में राज्य सरकार ने तीन नई पंचायत समितियों के गठन को मंजूरी दे दी है। उपयुक्त एवं उप शासन सचिव द्वारा जारी आदेश के बाद अब जिले में पंचायत समितियों की संख्या 11 से बढ़कर 14 हो गई है। नई गठित पंचायत समितियों में टोडी गुढ़ा, गोठड़ा और बबाई के नाम शामिल हैं, जिन्हें आसपास के गांवों को जोड़कर नया आकार दिया गया है। ये निर्णय लंबे समय से स्थानीय स्तर पर उठ रही मांगों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है।

उदयपुरवाटी पंचायत समिति का क्षेत्रफल घटा

सबसे बड़ा बदलाव उदयपुरवाटी पंचायत समिति में देखने को मिला है। पहले इस पंचायत समिति के तहत 56 गांव आते थे। प्रशासनिक पुनर्संरचना के बाद अब मात्र 24 गांव ही उदयपुरवाटी के अधीन रह गए हैं। शेष गांवों को नई गठित पंचायत समिति टोडी गुढ़ा में शामिल किया गया है।

टोडी गुढ़ा में 33 गांव जोड़े गए

नवगठित पंचायत समिति टोडी गुढ़ा में कुल 33 गांव शामिल किए गए हैं। इसमें अधिकांश गांव पूर्व उदयपुरवाटी क्षेत्र से लिए गए हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि नया प्रशासनिक सेटअप गांवों तक विकास योजनाओं की तेज पहुंच सुनिश्चित करेगा। साथ ही ग्रामीणों को अब पंचायत समिति मुख्यालय तक पहुंचने में कम दूरी तय करनी होगी।

सूरजगढ़ में गांव घटे

सूरजगढ़ पंचायत समिति में भी गांवों की संख्या में बदलाव किया गया है। पहले सूरजगढ़ में 31 गांव आते थे, जिन्हें अब घटाकर 27 कर दिया गया है। प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत चार गांवों को दूसरी पंचायत समितियों में शामिल किया गया है। हालांकि सूरजगढ़ में यह बदलाव अपेक्षाकृत कम है, लेकिन इसका असर स्थानीय विकास कार्यों और संसाधन वितरण पर पड़ेगा।

सिंघाना में 25 से घटकर 22 गांव रह गए

सिंघाना पंचायत समिति का आकार भी छोटा किया गया है। पहले यहां 25 गांव आते थे, जबकि अब केवल 22 गांव को ही शामिल रखा गया है।

पिलानी में मामूली फेरबदल, 27 से 26 गांव किए

पिलानी पंचायत समिति में एक गांव कम कर क्षेत्र को 27 से घटाकर 26 गांव किया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यह मामूली बदलाव भूगोलिक अनुरूपता और जनसंख्या संतुलन के आधार पर किया गया है। नवलगढ़ पंचायत समिति: 51 से घटकर 26 गांव, गोठड़ा को नई पंचायत समिति बनाकर 25 गांव जोड़े नवलगढ़ पंचायत समिति में सबसे बड़े भूगोलिक परिवर्तन देखे गए। पहले 51 गांव वाले इस क्षेत्र को अब घटाकर 26 गांव कर दिया गया है। नवलगढ़ क्षेत्र के गोठड़ा गांव को पंचायत समिति का दर्जा देते हुए यहां 25 गांव जोड़े गए हैं। यह कदम नवलगढ़ पंचायत समिति के अत्यधिक विस्तृत दायरे को कम करने और गोठड़ा क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

खेतड़ी पंचायत समिति में 56 से घटकर 30 गांव; बबाई नई पंचायत समिति बनी, 25 गांव शामिल

खेतड़ी पंचायत समिति भी हमेशा से जिले की सबसे बड़ी पंचायत समितियों में रही है। पहले यहां 56 गांव आते थे, जिन्हें अब घटाकर 30 रखा गया है। खेतड़ी से ही बबाई गांव को नई पंचायत समिति का दर्जा दिया गया है, जिसमें 25 गांव जोड़े गए हैं।

चिड़ावा पंचायत समिति में कोई बदलाव नहीं

चिड़ावा पंचायत समिति में किसी भी गांव को न तो जोड़ा गया है, न ही हटाया गया है। पहले जैसे 30 गांव थे, वैसा ही ढांचा बरकरार रखा गया है।

बुहाना पंचायत समिति में पहले 31 गांव शामिल थे, जिन्हें अब घटाकर 30 कर दिया गया है। यह बदलाव क्षेत्रीय सीमांकन के अनुरूप किया गया है।

आज सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट में शुरू होगा उपभोक्ता की आवाज़ न्यायोत्सव का शुभारंभ कार्यक्रम

क्यूआर कोड को स्कैन कर भी ली जा सकती है शपथ, ई-मेल पर आएगा शपथ प्रमाण पत्र

महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर होगा आयोजन

उपभोक्ता जागरूकता शपथ का होगा शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा आयोजित 30 दिवसीय उपभोक्ता की आवाज़ न्यायोत्सव के तहत सोमवार से जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर किया जाएगा, जिसमें बार एसोसिएशन भी सहयोग प्रदान करेगा। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने आमजन से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। इस अवसर पर ऑनलाइन उपभोक्ता जागरूकता शपथ अभियान भी लॉन्च किया जाएगा, जिसके माध्यम से 1 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी। शपथ लेने के बाद प्रमाण-पत्र भी ऑनलाइन ही उपलब्ध कराया जाएगा। शपथ के लिए क्यूआर कोड भी जारी किया गया है, जिसे स्कैन कर शपथ प्रमाण पत्र ई मेल पर प्राप्त किया जा सकता है। उपभोक्ता अध्यक्ष मील ने बताया कि यह अभियान हर खरीद पर बिल लेने, खरीदी गई सामग्री के मानकों की जांच करने और किसी भी सेवादोष या अनुचित व्यापार व्यवहार की स्थिति में आयोग से न्याय पाने जैसी जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से टैक्स चोरी पर रोक लगाने में भी मदद मिलेगी। जिला प्रशासन के विभिन्न विभाग, अधिवक्तागण एवं विद्यार्थी भी इस 30 दिवसीय कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम अवधि में रंगोली प्रतियोगिता, संगोष्ठी व सम्मान समारोह जैसे आयोजन भी किए जाएंगे।

मील ने युवाओं और आम

उपभोक्ताओं से सोमवार सुबह 11 बजे आयोजित कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल होने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता के इस महाअभियान का हिस्सा बनने की अपील की है।

ऑनलाइन शराब तस्करी, गुजरात पुलिस चूरू पहुंची:

अप्रैल 2025 में दर्ज मामले की जांच, आरोपी की तलाश जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । गुजरात में ऑनलाइन शराब तस्करी के एक मामले की जांच के लिए जूनागढ़ पुलिस की टीम चूरू पहुंची है। यह मामला एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से चूरू से गुजरात तक शराब भेजे जाने से जुड़ा है। जूनागढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर एस.के. डामोर ने बताया कि अप्रैल 2025 में जूनागढ़ थाने में एक मामला दर्ज किया गया था। इसमें सामने आया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए शराब के पैकेट चूरू से गुजरात भेजे गए थे। गुजरात में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है, जिसके कारण तस्कर ऑनलाइन शिपमेंट और कूरियर प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की आड़ में शराब की खेप पार्सल के रूप में भेजी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुजरात पुलिस की टीम चूरू पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस टीम ने चूरू में कई स्थानों पर दबिश दी और मामले से जुड़े अन्य संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह नेटवर्क केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हो सकते हैं। गुजरात पुलिस ने कहा कि शराब तस्करी से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर गुजरात ले जाएगी। गुजरात पुलिस के चूरू पहुंचने से यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दशार्ते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनि ित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'शिक्षा की रोशनी और गुलामी की जंजीरें: जागृति का वास्तविक अर्थ'

शिक्षा मनुष्य जीवन का वह प्रकाश है, जिसकी पहुँच जहाँ तक होती है, वहाँ तक अंधकार टिक नहीं पाता। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज भी समाज का बड़ा हिस्सा इस प्रकाश से पूरी तरह लाभ नहीं ले पा रहा। हमारे यहाँ शिक्षा को अक्सर केवल डिग्री, नौकरी या प्रतियोगी परीक्षाओं से जोड़कर देखा जाता है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य इससे कहीं व्यापक और गहरा है। शिक्षा वह शक्ति है, जो मनुष्य को अज्ञानता, गुलामी, कुरीतियों और मानसिक बंधनों से मुक्त करती है। यह विचार तब और अधिक सत्य दिखाई देता है, जब हम यह समझते हैं कि असली अंधकार बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है – और उसका इलाज केवल शिक्षा ही कर सकती है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। जो व्यक्ति शिक्षा से वंचित रहता है, वह केवल अक्षरहीन नहीं होता; वह अपनी क्षमता, अधिकार और संभावनाओं से भी अनजान रहता है। वह दूसरों की बनाई सीमाओं में जीता है और उसे यह भी नहीं पता होता कि वह किन बंधनों में बँधा हुआ है। अज्ञानता केवल ज्ञान का अभाव नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान का भी अभाव है। ऐसे व्यक्ति के लिए शिक्षा एक संजीवनी है, जो उसके जीवन की दिशा ही नहीं, उसकी पहचान भी बदल देती है। समाज में कई लोग ऐसे भी हैं, जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद मानसिक गुलामी से मुक्त नहीं हो पाते। वे डिग्री तो ले आते हैं, लेकिन स्वतंत्र सोच, विवेक और न्याय-अन्याय की समझ विकसित नहीं कर पाते। ऐसे लोगों के लिए शिक्षा केवल एक प्रमाण पत्र भर बनकर रह जाती है। यही कारण है कि कहा जाता है–

'शिक्षा उस व्यक्ति के लिए सबसे अधिक सार्थक है, जो गुलामी और कुरीतियों की जंजीरों को तोड़ने की इच्छाशक्ति रखता हो।' यदि व्यक्ति में संकल्प ही न हो, यदि वह सामाजिक कुरीतियों, रूढ़ियों, अंधविश्वासों और अन्याय की जंजीरों से मुक्त होने का साहस ही न जुटा सके, तो वह जीवन भर शिक्षित होकर भी अपने मन की कैद में कैद रहता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को साहस, विवेक और स्वतंत्र चिंतन देना है। इतिहास का हर वह अध्याय, जिसने समाज को जागृत किया, शिक्षा की शक्ति से ही Possible हुआ। चाहे इसे महात्मा फुले द्वारा महिलाओं और दलितों को शिक्षित करने का संघर्ष मानें, चाहे डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा शिक्षा को मुक्ति का मंत्र बताना; चाहे बाबा साहब का वह कथन– 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो'– प्रत्येक बात यही बताती है कि शिक्षा ही वह हथियार है, जो व्यक्ति को सामाजिक और मानसिक गुलामी से मुक्त करता है।

गुलामी केवल विदेशी शासन का नाम नहीं; गुलामी वह स्थिति भी है, जब व्यक्ति अपनी सोच दूसरों की उँगलियों पर नाचते हुए जीता है। कुरीतियाँ, जातिगत बंधन, धार्मिक अंधविश्वास, दहेज प्रथा, भेदभाव – ये सब मानसिक गुलामी के रूप हैं। और इन बंधनों से मुक्ति पाने का रास्ता केवल शिक्षा की ओर जाता है। वही शिक्षा, जो केवल पुस्तकों में नहीं है, बल्कि जीवन दर्शन में है; वही शिक्षा, जो केवल पाठ्यपुस्तक नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों के विस्तार में है। एक व्यक्ति जब शिक्षित होता है, तो वह समाज के शोषण, अन्याय और गलत प्रथाओं को पहचानने लगता है। उसकी नजरें बदलती हैं, सोच बदलती है और उसका आत्मविश्वास उसे सत्य व न्याय के पक्ष में खड़े होने की शक्ति देता है। इसीलिए शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा हथियार है।

गुरु तेग बहादुरः शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

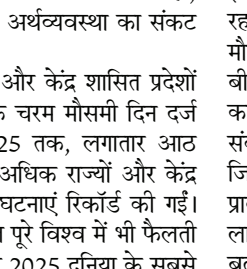

दिलीप कुमार पाठक

गुरु तेग बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं ' तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगजेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगजेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगजेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगजेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महा- है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगजेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की जबर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्प ात गुरु तेग बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगजेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगजेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगजेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगजेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग बहादुर जी को डराने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम जबर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

क्या 21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनि ित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

बुहाना में श्री रामप्रसाद बोहरा की 11वीं पुण्यतिथि पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

दिवंगत समाजसेवी श्री रामप्रसाद बोहरा की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को श्री रामप्रसाद बोहरा कॉलेज परिसर, पालोता रोड, बुहाना में एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से पंजीकरण शुरू हो गया था, जिसके बाद 10 बजे से शिविर में निःशुल्क नेत्र जाँच का कार्य प्रारंभ हुआ। क्षेत्र के 250 लोगों ने पहुँचकर इस सेवा का लाभ उठाया जिनमें 50 ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर में डॉ. वीरेंद्र यादव (मिश्री देवी आई हॉस्पिटल, नीमराना-बहरोड़) एवं उनकी टीम ने मरीजों की निःशुल्क जाँच कर आवश्यक दवाइयाँ भी उपलब्ध कराईं। आयोजकों के अनुसार, जिन मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई है, उनके ऑपरेशन भी पूर्णतः निःशुल्क किए जाएँगे। ऑपरेशन की तिथि की सूचना पात्र मरीजों को जल्द

ही दी जाएगी। इस सेवा कार्यक्रम का आयोजन रघुवीर सिंह बोहरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में अजय यादव, डॉ. जितेंद्र यादव, भरत बोहरा, ओमप्रकाश बलवदा, अशोक यादव, कॉलेज प्राचार्य डॉ. इन्दु बाला यादव, उप-प्राचार्य डॉ. मनोज यादव, सतीश आचार्य, प्रदीप यादव, सुजीत यादव, शैलेश, अशोक सिंघल, वीरेंद्र शर्मा, अशोक कुमार, मुबारक अली, अजीत, बिल्लू, कैलाश यादव, तथा समस्त कॉलेज स्टाफ ने सहयोग प्रदान किया। शिविर के दौरान दिवंगत श्री रामप्रसाद बोहरा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई और लोगों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक सराहनीय कदम बताया।

अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति का सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति का सम्मान समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि दयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी थे। इस समारोह की अध्यक्षता एड.के के सैनी उदयपुरवाटी ने की । विशिष्ट अतिथि सुशील पारीक, प्रदेशाध्यक्ष पर्यावरण संरक्षण विभाग राज पीसीसी,व शकुंतला यादव जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस झुंझुनूं रही। सर्व प्रथम सभी मेहमानों का स्वागत कर समिति अध्यक्ष मोहन लाल ने स्वागत भाषण देते हुए अरावली समिति की गतिविधियों की जानकारी दी। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि सुशील पारीक प्रदेशाध्यक्ष पर्यावरण संरक्षण विभाग ने बताया कि अरावली क्षेत्र में पेड़ पौधे बढ़ाकर पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इसे एक मुहिम बनाया जाना चाहिए। जिलाध्यक्ष शंकुतला यादव ने बताया कि वर्तमान माहौल बढ़ते प्रदुषण के ख़तरों से बचने हेतु अरावली जैसे क्षेत्रों को सभी को मिलकर स्वच्छ रखा जाना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष के के सैनी ने कहा कि अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति का मुख्य उद्देश्य अरावली की

तलहटी में बसे लोगों को संरक्षण प्रदान करता व इस क्षेत्र के लोगों को भी आधारभूत सुविधाओं से जोड़ना है।साथ ही अवैध खनन को रोकना व पेड़ पौधे की संख्या निरंतर बढाना रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवाना राम सैनी ने अरावली क्षेत्र को बढ़ाकर जल संरक्षण कर उदयपुरवाटी क्षेत्र के लोगों की जल समस्या का समाधान करना है। अरावली पर्वतमाला श्रृंखलाओं की सुरक्षा हेतु हर तरह की सुरक्षा हेतु हमेशा तैयार रहुगा। तत्पश्चात भामाशाहों,नये पदाधिकारियों व नव नियुक्तियो वाले प्रतिभावाओ का मान सम्मान अभिनन्दन किया गया। इस कार्यक्रम में राकेश जमालपुरिया प्रदेश उपाध्यक्ष पर्यावरण संरक्षण विभाग,राजकुमार जैफ नास्तिक अध्यक्ष,किशन सिंह मीरा कामगार किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष झुंझुनूं, नवीन सैनी विधि विभाग जिलाध्यक्ष झुंझुनूं, रमेश सैनी बागोरा सरपंच प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच बुद्ध राम, राकेश सैनीब्लाक अध्यक्ष विधि विभाग उदयपुरवाटी,हंसा वर्मा उदयपुरवाटी महिला ब्लाक अध्यक्ष,नथू राम कामरेड अध्यक्ष उदयपुरवाटी जल संघर्ष समिति,, डा मुकेश बागड़ी, एडवोकेट मोती लाल,,सीता राम रिटायर्ड अध्यापक,सुनील शेरावत, भूरा राम,बद्री प्रसाद,बाबू लाल मीणा पूर्व सरपंच, रामनिवास किशोरपुरा जल समिति अध्यक्ष, वकील विनोद गुढा ,मदन यादव,सीता राम मावता, प्रियंका आदि सैकड़ों गणमान्य अरावली प्रेमियों ने भाग लिया। समिति के संरक्षण कैलाश शर्मा ने अरावली संस्थान का भावी रुपरेखा पर प्रकाश डालते हुए सभी का धन्यवाद व आभार जताया। पी सी कटारिया ने समस्त कार्यक्रम का शानदार एंकरिंग किया।

एम.डी.टी.एस.ई. स्कॉलरशिप टेस्ट 2025 के दोनों चरणों का परिणाम घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में आयोजित एम.डी.टी.एस.ई स्कॉलरशिप टेस्ट 2025 के दोनों चरणों का परिणाम आज शाम 5 बजे संस्था के चेयरमैन सुनील डांगी ने घोषित कर दिया है। विद्यार्थियों के लिए परिणाम देखने हेतु लिंक जारी किया गया है। संस्था की ओर से बताया गया कि इस वर्ष परीक्षा के दोनों चरणों में विद्यार्थियों का उत्साह सराहनीय रहा। परिणाम घोषित होने के साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। संस्था के अनुसार, टॉप 10 रैंकर्स में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए तीसरा चरण (राउंड-3) आयोजित किया जाएगा। राउंड-3 का टेस्ट 7 दिसंबर 2025 को एम.डी. ग्रुप में आयोजित होगा। टीम MDTSE ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सेठ हरनारायणदास ईश्वरदास काजड़िया विद्यालय में भामाशाहों का भव्य अभिनंदन, मरम्मत और स्वेटर वितरण की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.काजड़ा (झुंझुनूं)।

सेठ हरनारायणदास ईश्वरदास काजड़िया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, काजड़ा में आज काजड़िया परिवार (भामाशाहों) का उनके बहुमूल्य और अविस्मरणीय योगदान के लिए भव्य अभिनंदन किया गया। यह सम्मान समारोह दिनांक 22 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें हरनारायणदास ईश्वरदास काजड़िया ट्रस्ट कोलकाता के प्रतिनिधि शामिल हुए। संस्था प्रधान राजेश शर्मा और समस्त स्टाफ ने काजड़िया परिवार के सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

अभिनंदन समारोह में उपस्थित रहे

ट्रस्ट के प्रतिनिधि प्रदीप काजड़िया, अजय काजड़िया, विजय काजड़िया, राज्यवर्धन काजड़िया, नीरज काजड़िया, रमेश डागा, अनिल काजड़िया, शिवकुमार काजड़िया, नीरज काजड़िया, काजड़िया परिवार की सम्मानित महिला सदस्य, तथा संयोजक डॉक्टर महेश यादव (काजड़िया परिवार, काजड़ा)।

भामाशाहों द्वारा नई घोषणाएं

इस अवसर पर भामाशाहों ने विद्यालय को आगे भी सहयोग देने की घोषणाएं की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से विद्यालय की प्रयोगशालाओं की छतों की मरम्मत करवाने का बीड़ा उठाया। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित करने की भी घोषणा की गई, जिससे उन्हें सर्दी से बचाव में मदद मिलेगी। काजड़िया परिवार के सदस्यों ने विद्यालय को आश्वस्त किया कि वे भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार विद्यालय में भौतिक संसाधनों के लिए अपना अनवरत योगदान देते रहेंगे, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

पूगल तहसील: गिरधारी लाल मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान के नए अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान ने पूगल तहसील इकाई में संगठनात्मक विस्तार करते हुए, सक्रिय कार्यकर्ता गिरधारी लाल मेघवाल को सर्वसम्मति से पूगल तहसील अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संस्थान के जिला अध्यक्ष (बीकानेर) त्रिलोक चंद जयपाल ने समाज के कार्यों को जमीनी स्तर पर गति देने के उद्देश्य से की है। जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने बताया कि यह कदम पूगल तहसील क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने और सामाजिक कार्यों में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि गिरधारी लाल मेघवाल, जो वर्तमान में ग्राम पंचायत बराला के सरपंच प्रतिनिधि भी हैं, अपनी नई

जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। संस्थान को उम्मीद है कि उनकी नियुक्ति से मेघवाल समाज की एकता और सामाजिक विकास के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। गिरधारी लाल मेघवाल की नियुक्ति की खबर से समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें बधाई दी और समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की है।

नवनियुक्त अध्यक्ष ने लिया संकल्प

पदभार ग्रहण करने के अवसर पर, नवनियुक्त अध्यक्ष गिरधारी लाल मेघवाल ने संस्थान और जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में संगठन की मजबूती पर ज़ोर देते हुए कहा, 'मैं समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलूंगा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।' एक धरातल से जुड़े हुए कार्यकर्ता के रूप में, उन्होंने समाज के हितों की रक्षा और विकास के कार्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का दृढ़ संकल्प लिया है।

शाहपुरा को ग्राम पंचायत बनने पर खुशी का इजहार, अब घर के पास ही होगी पंचायत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

राजस्थान सरकार ने पंचायत राज में बदलाव पुनर्गठन पुन?सीमांकन नव सृजन की अधिसूचना जारी करने के बाद ग्राम पंचायत ठीकरिया से शाहपुरा को पंचायत बनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहपुरा को ग्राम सामोताकाबास से जोड़कर नई पंचायत का दर्जा दिया गया। जहां 2011 की जनगणना के अनुसार ग्राम शाहपुरा के 2502 एवं सामोताकाबास के 1139 सहित 3635 की आबादी पर शाहपुरा को पंचायत बनाया गया। पहले यह दोनों गांव ग्राम पंचायत ठीकरिया के अधीन थे। ग्राम शाहपुरा को पंचायत बनाने के बाद यहां के ग्रामवासियों में खुशी की लहर है। अब स्थानीय राजनीति पर भी असर पड़ेगा। पहले ठीकरिया, शाहपुरा ,सामोंताकाबास में जो विकास होते थे, तीनों गांव को मिलाकर बजट खर्च किया जाता था। अब नई पंचायत का दर्जा मिलने पर बजट भी बढ़ेगा। शिक्षित बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। तथा ग्राम पंचायत शाहपुरा में विकास के विभिन्न आयाम निश्चित होंगे। जिसमें सर्वप्रथम राज्य सरकार की नीति के अनुसार यहां की मिडिल स्कूल जो लंबे अर्से से भी सीनियर तो दूर सेकेंडरी में भी क्रमोन्नत नहीं हो सकी थी। अब यह विद्यालय सीनियर बनकर शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाएगा। शाहपुरा के ग्राम पंचायत बनने से स्थानीय विधायक सुभाष मील का आभार जताते हुए अनेक संगठनों ने खुशी का इजहार कर मिठाइयां बांटी। शाहपुरा को ग्राम पंचायत बनने से अब यहां रोजगार के नए-नए आयाम स्थापित होंगे। सरपंच उपसरपंच, पंच,

ग्रामसेवक , सहायक ग्राम सेवक, सहायक कर्मचारी जैसे पदों में भी बढ़ोतरी होगी। बताया गया कि पहले शाहपुरा एवं सामोताकाबास के लोगों को 3 किलोमीटर पैदल चलने के बाद पंचायत में पहुंचना होता था। जिससे उनका काफी समय खराब होता। इतना ही नहीं लोगों को राशन लेने, सरकारी दस्तावेज बनाने, सरपंच एवं ग्राम सचिव से जुड़े काम करवाने के लिए ठीकरिया जाना पड़ता था। अब शाहपुरा को पंचायत बना देने के बाद यहां की जनता को घर के पास जोहड़ी वाले बालाजी मंदिर एवं राजकीय विद्यालय के पास ही नवगठित ग्राम पंचायत शाहपुरा में काफी सुविधा उपलब्ध होगी। ग्राम शाहपुरा विकास की मुख्य धारा से जुड़ जाएगा । पंचायत की घोषणा होने के बाद ही चुनावी हल-चल गतिविधियां शुरू हो गई है। ध्यान रहे अब आने वाले पंचायत चुनाव भी नवगठित पंचायत में ही होंगे। उधर जनप्रतिनिधि गंगासहाय यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत गोविंदपुरा से ग्राम पंचायत उदयपुरा का नया गठन किया गया है। जो विकास एवं प्रगति का नया सोपान होगा।

फतेहाबाद एसपी सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में ऑपरेशन ट्रेकडाउन का बड़ा प्रभाव

एक ही दिन में अवैध हथियार बरामद, स्नैचिंग सुलझी, संगठित अपराधी नकेल में

अब तक कुल 57 कुख्यात आरोपी सलाखों के पीछे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में चलाया जा रहा विशेष अभियान ऑपरेशन ट्रेकडाउन अपराधियों के लिए लगातार भय का पर्याय बनता जा रहा है। शुक्रवार को फतेहाबाद पुलिस ने एक ही दिन में कई बड़ी कार्रवाइयाँ अंजाम देकर अपराधियों पर निर्णायक प्रहार किया। पुलिस ने अवैध हथियारों की भारी खेप बरामद की, स्नैचिंग की घटना को मात्र 16 घंटे में सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और संगठित अपराध से जुड़े दो बदमाशों को केवल 5 घंटे में काबू कर बड़ी सफलता दर्ज की।ऑपरेशन ट्रेकडाउन की शुरुआत 5 नवंबर से हुई थी और तभी से फतेहाबाद पुलिस अपराधियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रही है। अब तक हत्या,

हत्या के प्रयास, डकैती, लूट, स्नैचिंग और संगठित अपराधों में शामिल कुल 57 कुख्यात बदमाश सलाखों के पीछे भेजे जा चुके हैं। इसी अवधि में पुलिस 15 पिस्तौल, 01 गन, 2 चाकू, 2 तलवारें और 113 जिंदा कारतूस बरामद कर चुकी है। ये आँकड़े जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण का स्पष्ट संकेत हैं।

सीआईए टोहाना-फतेहाबाद की संयुक्त बड़ी कार्रवाई – अवैध हथियारों का जखीरा बरामद

गुप्त सूचना के आधार पर सीआईए टोहाना टीम ने उपनिरीक्षक जग्गा सिंह के नेतृत्व में गाँव चिम्मो से मंजीत सिंह उर्फ मनी तथा गुरसिमरनदीप सिंह उर्फ गुरी को गिरफ्तार किया। इसी दौरान सीआईए फतेहाबाद ने एचसी मनदीप सिंह के नेतृत्व में हिसार-सिरसा बाइपास से नीतिन उर्फ मोगी, निवासी भाटिया कॉलोनी, को काबू किया। उससे एक पिस्टल 32 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। नीतिन पूर्व में भी अभियोग 528/2020 धारा 420, 411 आईपीसी में शामिल रहा है।पुलिस जांच में स्पष्ट हुआ कि आरोपी अवैध हथियारों को आपराधिक गतिविधियों में उपयोग करने के उद्देश्य से रखे हुए थे। समय रहते की गई इस त्वरित कार्रवाई से अवैध हथियार नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुँचा है।

स्नैचिंग की वारदात सुलझी – 16 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्य भट्ट स्कूल के पास हुई स्नैचिंग की घटना को थाना शहर पुलिस ने मात्र 16 घंटे में सुलझा अपनी तत्परता साबित की। बिजेंद्र सिंह उर्फ बिल्लू व सागर कुमार, निवासी जाखल को मात्र 5 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान एक चाकू और दो तलवारें बरामद हुईं। बिल्लू और सागर पर पहले से दर्ज कई गंभीर मुकदमे उनके अपराधी इतिहास की गंभीरता दर्शाते है ,एसपी श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने सभी पुलिस टीमों की त्वरित, प्रभावी और समन्वयपूर्ण कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन ट्रेकडाउन का उद्देश्य अपराधियों के मन में भय पैदा करना और जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद पुलिस अवैध हथियारों, संगठित अपराध और स्नैचिंग पर कठोर नियंत्रण बनाए रखने के लिए भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

गौरवशाली उपलब्धि: अंबुजा फाउंडेशन को 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार में 'बेस्ट सिविल सोसाइटी' श्रेणी में द्वितीय स्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर/नई दिल्ली।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान में जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता आधारित सतत जल प्रबंधन मॉडलों के सफल क्रियान्वयन के लिए अंबुजा फाउंडेशन को भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार में 'बेस्ट सिविल सोसाइटी' श्रेणी में द्वितीय स्थान प्रदान किया गया है।यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान संस्था को 18 नवंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल द्वारा दिया गया। यह उपलब्धि राजस्थान में जल प्रबंधन के क्षेत्र में अंबुजा फाउंडेशन द्वारा किए गए दीर्घकालिक, समुदाय केंद्रित और प्रभावी कार्यों के महत्व को रेखांकित करती है।

दो दशकों की मेहनत का परिणाम

अंबुजा फाउंडेशन पिछले दो दशकों से राजस्थान में जल सुरक्षा के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने प्रदेश में 19,000 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया है, जिनके माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 2138 करोड़ लीटर वर्षा जल संग्रहित किया जा रहा है। यह विशाल जल संग्रहण क्षमता राज्य में भू-जल

पुनर्भरण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम

संगठन ने 14 जिलों में वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल ढाँचों के पुनर्जीवन और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के विस्तार पर काम किया है। इसके तहत 11,886 व्यक्तिगत छत वर्षा जल संग्रहण टांके, 202 सामुदायिक छत वर्षा जल संग्रहण टांके, 826 फार्म टांके, 622 पारंपरिक तालाबों का जीर्णोद्धार, 71 चेक डैम, 703 खेत तलाई (Farm Pond), 1663 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई और 22889 हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों ने किसानों की सिंचाई लागत को कम किया है, कृषि उत्पादन में सुधार किया है, और सैकड़ों गांवों को जल-सुरक्षित ग्राम के रूप में स्थापित किया है।

जन-भागीदारी आधारित मॉडल

अंबुजा फाउंडेशन ने पिछले दो दशकों में राजस्थान के 14 जिलों में जन-जागरूकता आधारित जल प्रबंधन मॉडल विकसित किए हैं। संगठन का जन-भागीदारी आधारित मॉडल ग्रामीण समुदायों में जल सुरक्षा बढ़ाने, कृषि उत्पादकता सुधारने और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह कार्य 14 जिलों, 22 विकास खंडों और 334 गांवों में सक्रिय रूप से किया जा रहा है, जिससे 1,52,851 परिवारों और 7,82,503 की आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिला है।

सामूहिक प्रयासों को समर्पित सम्मान

अंबुजा फाउंडेशन के जनरल मैनेजर एवं राजस्थान राज्य प्रमुख मनोज अग्रवाल ने इस उपलब्धि को संगठन और समुदाय दोनों के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि 'यह सम्मान हमारे सतत प्रयासों, टीम की प्रतिबद्धता और ग्रामीण समुदायों के साथ मजबूत साझेदारी का परिणाम है। जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।'

दौलतसिंहपुरा में हाई टेंशन लाइन का तार टूटा, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना। दौलतसिंहपुरा गांव की ढाणी नया कुआं में रविवार शाम को हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर जमीन पर गिर पड़ा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद ग्रामीणों में भय और रोष का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने वेदप्रकाश सैनी के नेतृत्व में विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि हाई टेंशन लाइन लंबे समय से आबादी क्षेत्र के बीच से गुजर रही है, जिसकी शिफ्टिंग को लेकर कई बार प्रशासन एवं बिजली विभाग को ज्ञापन दिए गए, लेकिन किसी भी स्तर पर सुनवाई नहीं की गई।एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी ने बताया कि इस मुद्दे को हाल ही में नीमराना पंचायत समिति की साधारण सभा में भी उठाया गया था, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त लाइन होने के बावजूद विभाग द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसका परिणाम रविवार को तार टूटकर गिरने के रूप में सामने आया।प्रदर्शन के दौरान एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, रमेश चंद, हंसराज, समुंदर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुरेंद्र, विक्रम, मनोज, विजय सिंह, विमला देवी, कमला देवी, संगीता, शर्मिला, सुमन देवी, सरिता, शशि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

जनकसिंहपुरा में मकान में भीषण आग, दमकलकर्मियों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, राजस्थान - जनकसिंहपुरा गांव में रविवार शाम को एक मकान में भीषण आग लग गई। अचानक लगी आग से घर के अंदर रखा फर्नीचर, बिस्तर सहित अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। नीमराना फायर स्टेशन ऑफिसर मेघराज यादव ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियाँ मौके के लिए रवाना की गईं। फायर टीम ने पहुंचकर तेजी से रेस्क्यू शुरू किया और मकान में रह रहे किराएदारों को सुरक्षित बाहर निकाला। तत्परता दिखाते हुए दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फायर स्टेशन ऑफिसर मेघराज यादव ने बताया कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। यदि समय पर दमकलकर्मी नहीं पहुंचते तो मकान के पटाव टूटकर गिरने से बड़ा हादसा हो सकता था।

फतेहाबाद एसपी सिद्धांत जैन के निर्देश पर बड़ी कार्यवाही, हथियारों की अवैध खेप जब्त

गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई, दो स्थानों से अपराधियों का नेटवर्क ध्वस्त

दो पिस्टल, तीन देशी कट्टे, कारतूस सहित तीन आरोपी काबू; आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस* के नेतृत्व में चलाया जा रहा विशेष अभियान ऑपरेशन ट्रेकडाउन लगातार जिले में अपराधियों के लिए भय माहौल बनता जा रहा है। शनिवार का दिन फतेहाबाद पुलिस के लिए विशेष उपलब्धियों से भरा रहा, जब एक ही दिन में पुलिस ने अवैध हथियारों की बड़ी खेप बरामद करने में सफलता हासिल की।ऑपरेशन ट्रेकडाउन की शुरुआत 5 नवंबर को की गई थी। इसके बाद से जिले की पुलिस अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसती आ रही है। अब तक पुलिस हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट, स्नैचिंग और संगठित अपराधों में शामिल कुल 57 कुख्यात बदमाशों को जेल भेज चुकी है। इसी अवधि में 15 पिस्तौल, 1 गन, 2 चाकू, 2 तलवारें और 113 जिंदा कारतूस बरामद किए जा चुके हैं। ये आँकड़े दर्शाते हैं कि एसपी सिद्धांत जैन के निर्देशन में पुलिस अपराध की जड़ें उखाड़ने के लिए आक्रामक और व्यवस्थित अभियान चला रही है।

को देखते हुए उपनिरीक्षक जग्गा सिंह के नेतृत्व में टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। टीम ने रणनीतिक तरीके से इलाके में घेरा बनाते हुए मंजीत सिंह उर्फ मनी और गुरसिमरनदीप सिंह उर्फ गुरी को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से एक पिस्टल 32 बोर, एक देशी कट्टा 312 बोर, दो देशी कट्टे 32 बोर, तथा 32 बोर के तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। यह हथियारों की वह मात्रा थी जो किसी बड़ी वारदात की तैयारी का संकेत दे रही थी। दोनों के खिलाफ थाना सदर रतिया में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

गाँव चिम्मो में पहली बड़ी कार्रवाई

कार्रवाई तब शुरू हुई जब सीआईए टोहाना टीम को विश्वसनीय स्रोतों से सूचना मिली कि गाँव चिम्मो क्षेत्र में दो युवक अवैध हथियारों के साथ सक्रिय रूप से घूम रहे हैं। जानकारी की गंभीरता

हिसार-सिरसा बाइपास पर दूसरी सफलता

इसी दौरान सीआईए फतेहाबाद की टीम भी सतर्कता से क्षेत्र में गश्त कर रही थी। एचसी मनदीप सिंह के नेतृत्व में हिसार-सिरसा बाइपास पर संदिग्ध युवक के दिखाई देने की सूचना मिली। टीम ने तुरंत नाका लगाया और संदिग्ध को रोक लिया। पूछताछ में युवक की पहचान नीतिन उर्फ मोगी, निवासी भाटिया कॉलोनी, के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से एक पिस्टल 32 बोर, दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी नीतिन पहले भी अभियोग 528/2020 धारा 420 व 411 IPC में शामिल रह चुका है। उसके खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस जांच में बड़ा खुलासा

प्रारंभिक जांच से पता चला कि तीनों आरोपी अवैध हथियारों को अपराधों में उपयोग करने की फिराक में थे। बरामद हथियारों और आरोपियों की पुरानी गतिविधियों से यह संभावना मजबूत होती है कि वे किसी बड़े हथियार सप्लाई नेटवर्क से जुड़े हुए थे। समय रहते की गई पुलिस की कार्रवाई ने इस नेटवर्क पर निर्णायक चोट पहुँचाई है। पुलिस अब इनके अन्य साथियों की तलाश में है।

पुलिस का रुख सख्त

पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों और संगठित अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस सफलता ने पुलिस की कार्यकुशलता और तेजतर्रार कार्रवाई का फिर प्रमाण दिया है। सीआईए टोहाना व फतेहाबाद की संयुक्त कार्रवाई फतेहाबाद पुलिस की सक्रियता, सतर्कता और अपराधमुक्त समाज के प्रति उसके संकल्प को मजबूती से अभिव्यक्त करती है।

अटाली के सरपंच ने पुत्र की शादी बिना दहेज की

बिना दहेज के और बिना रुपये के नेग के नई रीति से सम्पन्न हुई सचिन यादव व करीना की शादी की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । क्षेत्र के गांव अटाली के सरपंच जीतपाल ने अपने पुत्र की शादी बिना दहेज के साथ संपन्न की है। सरपंच ने बताया कि दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों लोगों को जागरूक किया है। दहेज रहित शादी की शुरुआत उन्होंने अपने घर से की है। उनके घर उनके बहु नहीं आई बल्कि बेटी आई है। लगभग एक वर्ष पूर्व भी उनके बड़े भाई आर्मी मेडिकल कोर से रिटायर्ड राजेंद्र सिंह अपने बच्चों की शादी बिना दहेज से की थी। उन्होंने अपने पुत्र सचिन यादव की शादी एक सिक्के की रस्म के साथ जिले के गांव सुंदरह निवासी करीना के साथ की है। करीना फिलहाल चंडीगढ़ पुलिस में कार्यरत है। उन्होंने इस शादी को बिना दहेज के कराने के लिए दोनों ही परिवारों से पहले से ही संपर्क साधकर उन्हें प्रेरित किया था। जिसपर दोनों ही परिवारों ने दहेज लेने व देने के खिलाफ उनका सहयोग देने का वादा किया। लड़के की ताई अनीता देवी ने बताया कि दहेज की प्रथा को खत्म करने के लिए बेटियों को शिक्षित करना होगा। अगर बेटियां आगे बढ़ेगी तो दहेज के लोभी लोगों की सोच भी बदल जाएगी। युवा वर्ग ही किसी समाज की दिशा बदल सकता है। दहेज की वजह से बहुत से घर बर्बाद हो चुके ही। इस बुराई को सभी मिलकर जड़ से खत्म कर सकते हैं। सचिन यादव व पत्नी करीना ने बताया कि वह दोनों युवाओं को जागृत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। ताकि इस बुराई पर जीत हासिल की जा सके। ग्रामीणों में इस प्रेदणादायी शादी को लेकर चर्चा की जा रही है। इस मौके पर लड़की के पिता रिटायर्ड सूबेदार महावीर सिंह,सरपंच की पत्नी अमरकला, लीलावती,सविता देवी के रिश्तेदारों के साथ ग्रामीण शामिल हुए।

सादगी और संस्कार की मिसालः 1 रुपये और 1 नारियल में संपन्न हुआ सुनील और कोमल का विवाह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर के कोलायत विधानसभा क्षेत्र में, ग्राम पंचायत मंडाल के सरपंच शिवलाल मेघवाल ने अपने सरकारी कार्यरत पुत्र सुनील मेघवाल का विवाह मात्र 1 रुपये और एक नारियल के शगुन के साथ संपन्न करवाकर समाज के सामने एक अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह विवाह न केवल फिजूलखर्ची और दिखावे पर रोक लगाता है, बल्कि यह भी स्थापित करता है कि संबंध और संस्कार किसी भी भौतिक प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

दहेज मुक्त विवाहः एक सशक्त सामाजिक संदेश

सरपंच प्रतिनिधि शिवलाल मेघवाल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि उनके पुत्र सुनील मेघवाल (सरकारी कर्मचारी) की बारात वधू पक्ष (लालचंद पंवार, तिलक नगर, बीकानेर) के यहां केवल प्रतीकात्मक रूप से 1 रुपये और एक नारियल का शगुन लेकर जाएगी। शिवलाल मेघवाल के इस साहसिक और प्रेरणादायक निर्णय को समाज के सभी वर्गों ने खुले दिल से सराहा है। यह पहल उन परिवारों के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगी जो आज भी सामाजिक आडंबरों और दहेज प्रथा के बोझ तले दबे हैं। वर का नाम सुनील मेघवाल (सरकारी कर्मचारी) है और वधू का नाम कोमल मेघवाल है। वर पक्ष का प्रतिनिधित्व उनके पिता शिवलाल मेघवाल (सरपंच प्रतिनिधि) ने किया,

जबकि वधू पक्ष से लालचंद पवार (तिलक नगर, बीकानेर) थे।

सरपंच शिवलाल मेघवाल का उद्देश्यः

मेरा मानना है कि शादी जैसे पवित्र बंधन को भव्य प्रदर्शन की आवश्यकता नहीं है। इस पहल से हम समाज को यह प्रेरणा देना चाहते हैं कि सादगी और शिक्षा ही वास्तविक पूंजी है, न कि दहेज और दिखावा। '

गणमान्य व्यक्तियों ने की सराहना

इस ऐतिहासिक और सादगी भरे विवाह के साक्षी बनने के लिए कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और सामाजिक नेता उपस्थित रहे। सभी ने दूल्हा-दुल्हन को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया और इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में गोविंदराम मेघवाल (पूर्व कैबिनेट मंत्री), रेवत राम मेघवाल (पूर्व विधायक), और संगीलाल मेघवाल (मेघवाल समाज प्रदेश अध्यक्ष) शामिल थे। यह विवाह बीकानेर और पूरे राजस्थान के लिए दहेज प्रथा और सामाजिक आडंबरों के खिलाफ एक मजबूत और सकारात्मक संदेश के रूप में उभरा है, जो समाज में एक नई और स्वस्थ परंपरा की शुरुआत का प्रतीक है।

ईसीबी का वार्षिक खेल उत्सव आह्वान-2025 का हुआ समापन

सांस्कृतिक संध्या में झलका राजस्थान का रंग, 70+ गोल्ड के साथ कंप्यूटर साइंस विभाग ने जीती इंस्टीट्यूट ट्रॉफी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 'आह्वान-2025' का समापन शुक्रवार को भव्य सांस्कृतिक संध्या और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। उन्होंने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया और विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की शुरुआत कथक नृत्यांगना द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, समूह गायन, इंस्ट्रूमेंटल, देशभक्ति गीत और आधुनिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

अर्जुन राम मेघवाल बोले– 'इंडस्ट्री 4.0 के युग में तकनीकी संस्थानों की भूमिका सबसे निर्णायक केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में तकनीकी संस्थान सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर इस दिशा में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि 'हम अब

मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल ने कहाः 'इंडस्ट्री 4.0 के युग में युवा होंगे भारत की सबसे बड़ी शक्ति

इंडस्ट्री 4.0 के युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, 3ष्ठ प्रिंटिंग और डेटा साइंस नए आर्थिक परिदृश्य को आकार दे रहे हैं। लेकिन इन सबके केंद्र में मनुष्य का मस्तिष्क है, जिसका कोई विकल्प नहीं। ' उन्होंने विद्यार्थियों को खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ युवा ही सक्षम राष्ट्र का निर्माण करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न खेलों के विजेताओं को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कंप्यूटर साइंस विभाग ने जीती इंस्टिट्यूट ट्रॉफीः 70+ गोल्ड मेडल का नया रिकॉर्ड - आह्वान-2025 में इस वर्ष सबसे शानदार प्रदर्शन कंप्यूटर साइंस विभाग ने किया। विभाग ने 70 से अधिक स्वर्ण पदक जीतकर इंस्टीट्यूट स्पोर्ट्स ट्रॉफी पर कब्ज़ा जमाया। निर्णायक चरणों में सीएसई टीमों ने मैदानों से लेकर इंडोर और ई-स्पोर्ट्स तक शानदार प्रदर्शन किया। क्रिकेट फाइनल में कंप्यूटर साइंस विभाग ने जीत दर्ज की कबड्डी में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग ने गोल्ड मेडल जीता। वुमन क्रिकेट में भी सीएससी विभाग ने जीत दर्ज की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश जाखड़ ने कहा कि खेल न केवल शरीर को सशक्त बनाते हैं, बल्कि मानसिक क्षमता, निर्णय कौशल और टीमवर्क को भी विकसित करते हैं। आह्वान-2025 ने विद्यार्थियों में अनुशासन और नेतृत्व भावना को नई दिशा दी है। खेल विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन शर्मा ने महोत्सव के सफल आयोजन और उत्कृष्ट सहभागिता के लिए सभी खिलाड़ियों और समन्वयकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों की समग्र व्यक्तित्व निर्माण की सबसे बड़ी प्रयोगशाला हैं। इस वर्ष की रिकॉर्ड भागीदारी कॉलेज की बढ़ती खेल संस्कृति को दर्शाती है। महाविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. अमित सोनी ने संस्थान की उपलब्धियों और अकादमिक प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईसीबी ने पिछले वर्षों में तकनीकी शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। समापन समारोह में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. नवीन शर्मा, सह-प्रभारी इंदु भूरिया, शौकत अली सहित बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थियों और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक संध्या देर शाम तक चली और प्रस्तुति दर प्रस्तुति दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया।

शाहजहांपुर में बड़ा हादसा टला, चार वाहन आपस में भिड़े

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहांपुर कस्बे में फ्लायओवर से पहले राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान मंगलवार को बड़ा हादसा टल गया। जाम के कारण खड़ी हुई हुंडई वरना कार को पीछे से तेज रफ्तार ट्रोले ने जोरदार टक्कर मार दी। वरना कार आगे खड़ी मारुति बलेनो में जा भिड़ी, जबकि बलेनो भी आगे खड़ी तूड़ी से भरी गाड़ी में टकरा गई। इस प्रकार पीछे से लेकर आगे तक चार वाहन आपस में भिड़ते चले गए। बलेनो कार में सवार सोभित सिंह नेगी पुत्र बलबीर सिंह, मूल निवासी पंजाब, जो नीमराना में जॉब करते हैं, अपने पिता को लेने रेवाड़ी जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी, माता और बच्चे भी साथ बैठे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि एयरबैग खुल गए, जिससे सोभित की माता के सिर में गंभीर चोट लगी,

जबकि अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आईं। मौके से गुजर रहे एक वाहन चालक ने तुरंत मदद करते हुए सोभित की माता को अपनी कार में बैठाकर नीमराना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे के बाद ट्रोले का चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है, जो घंटों तक बना रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारू करने में जुट गई।

नए थाना अधिकारी श्रीमती प्रतीका जी से शिष्टाचार भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहांपुर, नए थाना अधिकारी श्रीमती प्रतीका से शिष्टाचार भेंट करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जगमाल सिंह यादव, जिला अध्यक्ष, राजस्थान पुलिस सेवा संस्थान, हरपाल मीणा, पृथ्वी सिंह, ASI वगैरा रिटायरमेंट कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे। नए थाना अधिकारी ने गुलदस्ता पेश कर स्वागत किया। इस अवसर पर जगमाल सिंह यादव ने कहा कि श्रीमती प्रतीका का थाना अधिकारी के रूप में नियुक्त होना हमारे लिए गर्व की बात है। हरपाल मीणा ने कहा कि प्रतीका को उनके नए पद पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पृथ्वी सिंह ने कहा कि श्रीमती प्रतीका का अनुभव और नेतृत्व क्षमता निश्चित रूप से क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी।

बस स्टैंड फतेहाबाद में साइबर सुरक्षा और नशामुक्त जीवन पर जागरूकता अभियान

सामाजिक सुरक्षा और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति नागरिकों को प्रेरित किया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशानिर्देशानुसार चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत साइबर थाना की महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता रानी ने फतेहाबाद बस स्टैंड पर आम जनता को साइबर क्राइम और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने और अपनी व्यक्तिगत

जानकारी की सुरक्षा के महत्व को समझाना था। साथ ही लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस और स्थानीय सामाजिक संगठनों ने मिलकर आम जनता से संवाद किया और उन्हें साइबर सुरक्षा के सरल उपाय, सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की रणनीतियाँ तथा नशामुक्त जीवन के लाभ समझाए। इस पहल का उद्देश्य न केवल साइबर अपराध और नशे की समस्या से बचाव करना है, बल्कि जनता में स्वस्थ और जिम्मेदार जीवनशैली को बढ़ावा देना भी है। नागरिकों ने इस अभियान को सराहा और इसे आवश्यक और समयोचित कदम बताया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के जागरूकता अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि फतेहाबाद में सुरक्षित और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

ढींगसरी की बेटियों को मिली चार खेल मैदान व गर्ल्स हॉस्टल की सौगात

केन्द्रीय कला एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया उद्घाटन

बीकानेर भामाशाहों की नगरी, इस पहले से बेटियों को मिलेगी नई दिशाः शेखावत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । केंद्रीय कला एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि किसी कार्य को मेहनत-लगन से किया जाए, तो उसमें सफलता निश्चित रूप से मिलती है। केंद्रीय कला एवं पर्यटन मंत्री ने रविवार को ढींगसरी गांव में खेल मैदान व हॉस्टल के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कुछ समय पूर्व तक क्षेत्र की बालिकाओं के पास साधन-संसाधनों की कमी थी, लेकिन इसके बावजूद इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेहनत से सफलता प्राप्त की। अब इन बेटियों को चार खेल मैदान, हॉस्टल सहित सभी सुविधाएं मिल गई हैं, ये सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी। शेखावत ने बेटियों की मेहनत व प्रशिक्षक विक्रमसिंह राजवी के मार्गदर्शन को सराहा। उन्होंने बालिकाओं के

परिजनों को फुटबॉल खेलने के लिए सहमति देने के लिए भी आभार जताया। भामाशाहों व सहयोगियों का धन्यवाद धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों ने गांव की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बीकानेर को भामाशाहों की नगरी बताया और कहा कि बीकाजी और हल्दीराम ग्रुप जैसे भामाशाह इन क्षेत्रों में सदैव आगे रहते हैं। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने बताया कि कोच विक्रम सिंह के मार्गदर्शन व भामाशाहों के सहयोग से खेल मैदान, हॉस्टल व अन्य कई सुविधाएं मुहैया हुई हैं। यह ढींगसरी सहित आसपास के अनेक गांवों की बालिकाओं को फुटबॉल खेल में विश्वस्तरीय पहचान दिलाएगा। विधायक भाटी ने कहा कि बीकानेर से लगभग 72 किमी दूर नोखा के ढींगसरी गांव के इस खेल मैदान में पहले केवल टिब्बे और उबड़-खाबड़ मैदान था, वहां अब हरी दोब का शानदार मैदान है। अब गांव की बेटियां अपनी मेहनत से जल्द ही विश्वस्तर पर ढींगसरी का नाम अंकित करवाएगी। अंशुमान सिंह ने कहा कि ढींगसरी गांव के ही भामाशाह जेठमल पंचारिया ने बेटियों के खेल मैदान के लिए दो बीघा जमीन उपलब्ध करवा कर समाज सेवा की सच्ची मिसाल कायम की है। चंद्रवीर सिंह राजवी ने बताया कि मैदान के लिए प्रथम बार देने वाले लोगों का केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि कि उत्कल व बीकाजी के सहयोग से जल्द ही बालिकाओं के मार्गदर्शन के लिए दो नए कोच लगाए जाएंगे। कुंजन कंवर ने स्वागत उद्बोधन दिया। चंद्रवीर सिंह राजवी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में बीकाजी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दीपक अग्रवाल, अर्जुन अवार्डी श्री मगन सिंह राजवी, श्री सुभाष भूरा, श्री प्रकाश भूरा, श्री धर्मचन्द भूरा, यूआईटी के पूर्व चैयरमेन श्री महावीर रांका, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत और कोच श्री विक्रम सिंह राजवी आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम में युधिष्ठर सिंह भाटी, करणप्रताप सिंह सिसोदिया, कोलायत के पूर्व प्रधान जयवीर सिंह भाटी, भूपेन्द्र सिंह कक्कू, दानवीर सिंह भाटी, राजेन्द्र सिंह, पूर्व डायरेक्टर स्पोर्ट्स एमजीएसयू डॉ. एसएल प्रजापत, जाहिद लोदी, मोहन सिंह नाल एवं खेलप्रेमी व ग्रामीणजन आदि उपस्थित रहे।

एक वर्ष में हो गया कायापलट

लगभग एक वर्ष पहले में ढींगसरी की बेटियों ने कोच श्री विक्रम सिंह राजवी के मार्गदर्शन में नेशनल टूर्नामेंट में परचम फहराया तो उम्मीदें जगी। अगस्त 2024 में ढींगसरी की बेटियों के नेशनल जीतने के बाद पूर्व मंत्री श्री देवी सिंह भाटी एवं उनके सहयोगियों द्वारा 17 लाख 83 हजार रुपए का सहयोग करके मैदान के कायापलट की शुरुआत की गई। ग्रामीणों ने भी अपनी बेटियों के लिए मेहनत की तथा नोखा निवासी भुवनेश्वर प्रवासी उत्कल बिल्डर्स के चैयरपर्सन सुभाष भूरा के ने एक गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण करवाया तथा उनके सहयोगियों द्वारा खेल उपकरण जूते टी-शर्ट व अन्य जरूरत का सामान उपलब्ध हो रहा है। इसी के साथ रामलाल सूरजदेवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट के श्री महावीर रांका, बीकाजी ग्रुप के एमडी श्री दीपक अग्रवाल सहित अनेक भामाशाह आगे आए और तीन घास व दो बीच फुटबॉल मैदान, गर्ल्स हॉस्टल, इक्विपमेंट, ड्रेसेज, डाइट सहित बेहतरीन सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

दिनभर स्कूल.. सुबह-शाम खेल का मैदान

कोच विक्रम सिंह राजवी ने बताया कि उनका सपना साकार हो रहा है और गांव की बालिकाएं खेल के क्षेत्र में गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि गांव की मुन्नी भांभू अंडर 17 फुटबॉल टीम की सदस्य हैं और सीनियर वूमेन टीम के लिए भी उसको कॉल किया गया है। कई वर्षों की मेहनत के बाद बदलाव इतना आया है कि अब खुद परिवार वाले बच्चियों को फुटबॉल खेलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं व ग्रामीणजनों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसको देखते हुए लगता ढींगसरी निश्चित रूप से एक दिन मिनी ब्राजील का रूप लेगा।

मारपीट और धमकी देने के मामले में आरोपी को किया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस द्वारा अपराध होने पर त्वरित कार्रवाई के निर्देशों के तहत की गई।टोहाना पुलिस ने मारपीट और धमकी देने के मामले में एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष पुत्र चैतन दास निवासी वार्ड नं. 04, रामनगर, टोहाना के रूप में हुई है।थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि दिनांक 26.09.2025 को शिकायतकर्ता ने शिकायत दर्ज करवाई और शिकायत में बताया गया कि नामजद आरोपी सुभाष चंद पुत्र चेतन दास निवासी वार्ड नं. 04, रामनगर, कक्कड़ अस्पताल रोड, टोहाना ने उसके खेत में जाने वाला रास्ता खराब कर दिया था। इस बारे में पूछताछ करने पर आरोपी सुभाष चंद पुत्र चेतन दास निवासी वार्ड नं. 04, रामनगर, कक्कड़ अस्पताल रोड, टोहाना ने उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। मामले में थाना शहर टोहाना में मुकदमा संख्या 319/2025 दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस जमानत पर रिहा कर दिया गया है।मामले की

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंगनौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गईं।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

बीकानेर कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदलः

बिशनाराम सियाग लगातार दूसरी बार देहात अध्यक्ष; पूर्व IPS मदन गोपाल मेघवाल बने शहर अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कांग्रेस पार्टी ने बीकानेर में अपने संगठनात्मक ढांचे में एक महत्वपूर्ण और अपेक्षित बदलाव करते हुए दो वरिष्ठ नेताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने बिशनाराम सियाग को लगातार दूसरी बार देहात कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के अधिकारी मदन गोपाल मेघवाल को शहर कांग्रेस अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। बिशनाराम सियाग की लगातार दूसरी नियुक्ति यह दर्शाती है कि पार्टी आलाकमान का उनके जनाधार, संगठनात्मक क्षमता और ग्रामीण क्षेत्र में उनकी पकड़ पर पूरा भरोसा है। उनके समर्थकों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे उनकी पिछली पारी की सफलता का परिणाम बताया है। दूसरी ओर, मदन गोपाल मेघवाल की नियुक्ति को बीकानेर शहर की राजनीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। मेघवाल पहले एक वरिष्ठ IPS अधिकारी थे, जिन्होंने 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपनी सेवा से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने 2023 में विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। मेघवाल के सामने चुनौतीः शहर अध्यक्ष बने मदन गोपाल मेघवाल के सामने अब शहर कांग्रेस संगठन को मज़बूत करने की बड़ी चुनौती है। उनकी यह नियुक्ति उन्हें शहर की राजनीति में एक मजबूत और केंद्रीय स्थान देगी।

शहर जिला अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल

बिशनाराम सियाग बीकानेर देहात अध्यक्ष

दलित वोटों पर पार्टी की नज़र

मदन गोपाल मेघवाल को शहर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने के पीछे कांग्रेस की एक प्रमुख रणनीति दलित, एससी और ओबीसी वोटरों पर अपनी पकड़ मज़बूत करना माना जा रहा है। मेघवाल का इन समुदायों में अच्छा जनाधार माना जाता है। 2023 विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बावजूद उनकी क्षेत्र में लगातार सक्रियता रही, जिसका लाभ उन्हें इस संगठनात्मक नियुक्ति के रूप में मिला है।

नए राजनीतिक समीकरण

सियाग की मजबूत जनाधार और संगठनात्मक क्षमता ने उन्हें देहात अध्यक्ष पद के लिए फिर से योग्य साबित किया है। वहीं, मदन मेघवाल के अध्यक्ष बनने से अब शहर कांग्रेस में एक नया समीकरण बनेगा, जहाँ पूर्व मंत्री और विधायक भी उनके साथ मिलकर काम करेंगे। इस संगठनात्मक फेरबदल की एक चिंताजनक बात यह रही कि इस पूरी प्रक्रिया में अल्पसंख्यक समुदाय की स्थिति खाली रही है। खबर में उल्लेख है कि अल्पसंख्यक समुदाय को न तो सरकार और न ही संगठन में कोई महत्वपूर्ण पद मिल पाया है।

अर्जुन राम मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान, बीकानेर के जिला महासचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान ने अपनी संगठनात्मक टीम का विस्तार करते हुए बीकानेर जिले में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की है। संस्थान के जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने ग्राम पंचायत गीगासर के सरपंच अर्जुन राम मेघवाल को संस्थान का जिला महासचिव नियुक्त किया है।जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने बताया कि अर्जुन राम मेघवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संगठन को ज़िला स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से दी गई है। अर्जुन राम मेघवाल की नियुक्ति से समाज को उनके अनुभव और नेतृत्व का लाभ मिलेगा। ग्राम पंचायत गीगासर के वर्तमान सरपंच अर्जुन राम मेघवाल, एक सक्रिय और जमीनी स्तर से जुड़े नेता हैं। उनके पास प्रशासनिक और सामाजिक कार्यों का अच्छा अनुभव है। यह माना जा रहा है कि जिला महासचिव के रूप में, वह बीकानेर जिले में मेघवाल समाज की एकता और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उद्योगपति मुरली बालाणा ने बेटे की शादी में की सराहनीय पहल किया अनुपम उदाहरण प्रस्तुत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । जाने माने उद्योगपति भामाशाह समाजसेवी मुरली बालाणा ने अपने सुपुत्र की शादी समारोह में सराहनीय पहल प्रस्तुत करते हुए दहेज प्रथा के खिलाफ अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। मुम्बई प्रवासी चूरू निवासी उद्योगपति बालाणा के सुपुत्र विशाल की शादी सिरसा हाल सूरत निवासी जीतसिंह गहलोत की सुपुत्री दिव्या के साथ चूरू में आयोजित हुई। शादी में जहां दहेज व बाटका नही लिया गया जबकि नवविवाहिता को ससुराल पक्ष की ओर दुल्हे के दादा शंकरलाल बालाणा ने हुंडई क्रेटा कार उपहार में भेंट की तथा शादी में आने वाले मेहमानों से किसी तरह गिफ्ट व कवर नहीं लिया जबकि शादी में आए पारिवारिक सदस्यों को लेपटॉप बैग व मिठाई भेंट स्वरूप दी ।साथ ही आशीर्वाद समारोह में पधारे मेहमानों को फोटो फ्रेम के साथ इंस्टेंट फोटो प्रिंट उपहार भेंट किए। शादी समारोह के अवसर पर आयोजित मायरे में भी जहां उद्योगपति बालाणा ने एक रुपया लिया वहीं सोने चांदी के लेन-देन को बंद किया । तथा ढुकाव व तोरण सूर्य को साक्षी मान कर दिन में व पाणिग्रहण संस्कार गोधूलि बेला में सम्पन्न किया। शादी में मुंबई, सिलवासा, भरूच, अहमदाबाद, दिल्ली, सिरसा, हिसार, जयपुर, पुणे, सूरत व प्रदेश के कोने कोने से आशीर्वाद देने पहुँचे । इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा हरियाणा प्रभारी राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनियां, लोकसभा प्रत्याशी व पदमश्री देवेंद्र झाझड़िया, चूरू विधायक हरलाल सहारण, यूपी सम्भल से पूर्व विधायक परमेश्वर लाल सैनी, प्रदेश प्रवक्ता अशोक सैनी, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, फुले ब्रिगेड संयोजक सीपी सैनी ,महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी, शेखावाटी अंचल के मुख्य शहरो के समाज अध्यक्ष व पदाधिकारी, माली डीडवाना महासभा, माली समाज देवीदास बगीची चूरू के सभी पदाधिकारी,जनप्रतिनिधियों सहित शादी समारोह में शिरकत कर नव दंपति को सफल दांपत्य का आर्शीवाद देकर उज्जवल जीवन की मंगलकामना की । शादी समारोह में पधारे अतिथियों व मेहमानों का दूल्हे के चाचा व चूरू भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष एम.गोपाल बालाण ने आभार व्यक्त किया।

बीकानेर कांग्रेसः संजय भाटी बने स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, वार्ड 18 के अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में विस्तार करते हुए एक नई नियुक्ति की गई है। स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के तहत संजय भाटी को वार्ड नंबर 18 का स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ वार्ड अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति विधानसभा क्षेत्र पश्चिम 'ए' ब्लॉक अध्यक्ष सैयद मोहम्मद इमरान के द्वारा की गई है। इस पद के लिए अनुशंसा स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के शहर जिला अध्यक्ष हसन अली गोरी ने की थी। कांग्रेस संगठन का यह कदम वार्ड स्तर पर स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पार्टी को उम्मीद है कि संजय भाटी अपनी नई जिम्मेदारी को निभाते हुए वार्ड 18 में संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगे और स्थानीय समस्याओं को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सैंथल को पंचायत समिति नहीं बनाने पर विरोध प्रदर्शनः ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन की दी चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज

सैंथल । सैंथल कस्बे को पंचायत समिति का दर्जा न दिए जाने पर ग्रामीणों ने बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सैंथल आबादी और अन्य सभी मापदंडों को पूरा करता है, फिर भी इसे पंचायत समिति नहीं बनाया जा रहा है। उनका कहना था कि कुछ अन्य ग्राम पंचायतों को, जो मापदंड पूरे नहीं करतीं, उन्हें भी यह दर्जा दिया गया है। ग्रामीणों ने इसे राजनेताओं द्वारा अपने राजनीतिक हितों को साधने का प्रयास बताया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सैंथल में उपखंड कार्यालय भी है, जिससे यह आसपास के एक बड़े क्षेत्र का केंद्र है। यह कस्बा दौसा, जयपुर और अलवर की सीमाओं के समीप स्थित है, जो इसकी भौगोलिक और प्रशासनिक महत्ता को और बढ़ाता है। ग्रामीणों ने याद दिलाया कि वे पहले भी इस मांग को लेकर आंदोलन कर चुके हैं, लेकिन तब उनकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं, तो वे एक बड़ा और व्यापक आंदोलन शुरू करेंगे।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी, यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

-भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी (एजेंसी)। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक लगाया।

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

-तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै । हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फी टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, 'हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी(एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियों करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश) । मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमूदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर । भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी चिंता उभरकर सामने आई है, क्योंकि युवा स्टार बल्लेबाज़ शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज में खेल पाने की उम्मीद अब बेहद कम हो गई है। ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान हुई गर्दन की गंभीर ऐंठन के बाद गिल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी चोट पहले से अधिक गंभीर पाई गई। अब खबरें साफ इशारा कर रही हैं कि गिल दिसंबर की टी20आई सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाएंगे और नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब अगले साल ही मैदान पर लौट सकते हैं।

गिल की गर्दन की चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर

कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक गर्दन में तेज़ दर्द और अकड़न महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। शुरुआती अंदाज़े में इसे मामूली ऐंठन माना जा रहा था, लेकिन स्कैन रिपोर्ट्स ने चोट को अधिक गंभीर बताया। इसी कारण गिल को टेस्ट टीम से औपचारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया, और अनुमान लगाया गया कि वे व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा होना अब मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे गिल

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में गिल का खेलना लगभग असंभव माना जा रहा है। गिल को लगातार इंजेक्शन लग रहे हैं, वे नियमित रूप से स्पाइनल कंसल्टेंट्स के संपर्क में हैं, चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम और चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए, टीम मैनेजमेंट चाहता है कि गिल जल्दबाज़ी में वापसी न करें, ताकि लंबे समय तक चलने वाली चोट का खतरा न बढ़े। माना जा रहा है कि गिल अब अगले वर्ष ही मैदान पर लौटेंगे।

ODI सीरीज की कप्तानी को लेकर चयनकर्ताओं की चुनौती

गिल के बाहर होने से चयनकर्ताओं के सामने नई मुश्किल खड़ी हो गई है, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI टीम का कप्तान कौन होगा? इसी बीच, श्रेयस अय्यर भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी स्प्लीन इंजरी से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में भारत को एक भरोसेमंद कप्तान की ज़रूरत है जो टीम को संभाल सके और गिल-अय्यर की गैर-मौजूदगी में स्थिरता ला सके।

केएल राहुल की कप्तान के रूप में वापसी लगभग तय

सूत्रों के अनुसार, केएल राहुल की ODI कप्तान के रूप में वापसी अब लगभग पक्की मानी जा रही है। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका ODI सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी राहुल इससे पहले भी 12 ODI में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। उनका पहला कप्तानी असाइनमेंट जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ही था। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की पिछली ODI कप्तानी भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी, और अब दो साल बाद वे फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ही कप्तान की भूमिका में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आगे की राह

गिल की चोट और प्रयोगात्मक कप्तानी से टीम की बल्लेबाज़ी बैलेंस पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि दिसंबर सीरीज तक नए चेहरे, अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलकर संतुलित प्रदर्शन करें। टीम को अब गिल की फिटनेस से ज्यादा उनके दीर्घकालिक करियर को सुरक्षित रखना है, इसलिए यह ब्रेक भविष्य के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु । आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूडशन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है।

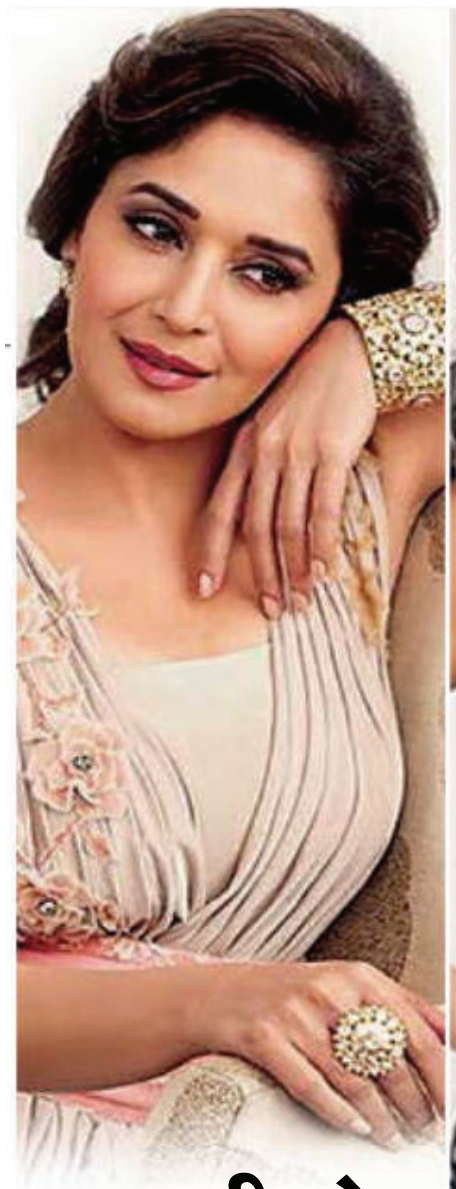

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है।

लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

अली अब्बास जफर की फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे बनेंगे विलेन

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में सैयारा फेम अहान पांडे और मुंज्या फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों सुल्तान और टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।

मस्ती 4 में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म मस्ती 4 में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है।

इंटरव्यू में रुही सिंह ने बताया कि मस्ती 4 की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा।

रुही सिंह ने कहा, हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है। आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।

इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है। विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। मस्ती 4 में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

दीपिका को अपने फैसलों पर है पछतावा!

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है। बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी। दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं। दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे।

अहान की गर्लफ्रेंड नहीं हैं अनीत

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म सैयारा ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला इट कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में न्न एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट सोचता है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

अहान और अनीत की केमेस्ट्री

उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके बीच जो सहजता है, वह रोमांस से नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी और आपसी समझ से आती है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती - यह सहजता, सुरक्षा और लोगों की नजरों में आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, फिर भी अनीत के साथ मेरा रिश्ता जैसा है वो किसी के साथ नहीं होगा।

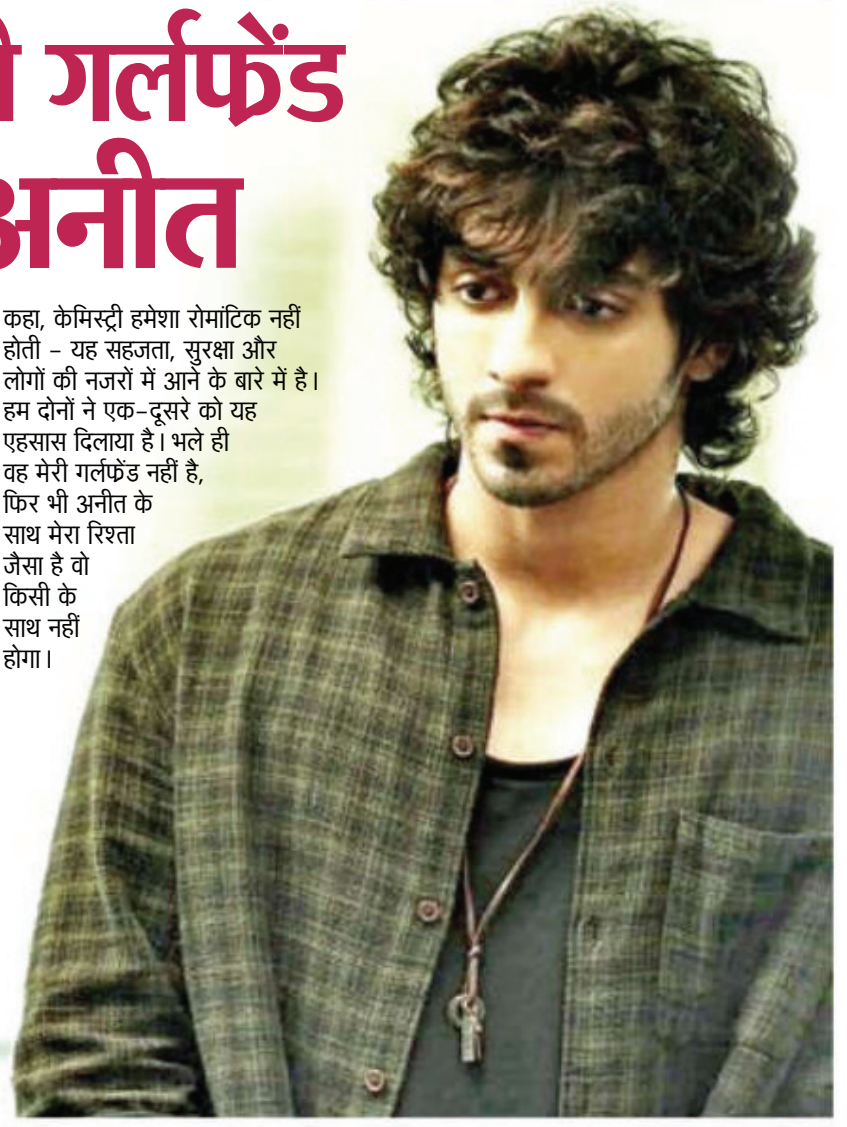

फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं

दारा सिंह और मुमताज जैसे जाने-माने कलाकारों से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता शाद रंधावा ने अपना रास्ता खुद अख्तियार किया। वो लम्हे से अपने करियर का आगाज करने वाले शाद के दो दशक के करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, मगर इस साल उनके किस्मत का सितारा खूब चमका। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों दीवानियत जैसी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी फिल्मों में सावंत के रोल से लोकप्रिय हुए शाद अपने सफर की बात करते हैं।

शाद रंधावा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हैं, मैं 6-7 साल की उम्र का रहा होऊंगा और अभिनय में तभी से मेरी काफी रुचि थी। स्कूल के नाटकों में भाग लेता था। मेरी मम्मी भी एक जमाने में ऐक्ट्रेस थीं और पिता पहलवानी के साथ-साथ अभिनय भी किया करते थे। दारा सिंह मेरे अंकल और मुमताज मेरी मौसी हैं। जब मैंने अपने परिवार को अपने एक्टर बनने की ख्वाहिश बताई, तो सभी ने कहा कि ये आपकी अपनी जर्नी है। हम आपको भावनात्मक रूप से तो सपोर्ट करेंगे, मगर अपना काम आपको खुद ढूंढना होगा।

भट्ट साहब के ऑफिस के खूब चक्कर लगाता था

मेरे ताया (दारा सिंह) हों या मेरे पिता रंधावा, सभी बहुत विनम्र बैकग्राउंड से हैं अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, चाहे वो मेरी मम्मी (मल्लिका अस्करी) हों या मुमताज आंटी, सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया, तो मैंने अभिनय में आने से पहले रोशन तनेजा के यहां एक्टिंग क्लासेज कीं। साथ-साथ में मैं नाटक तो करता ही रहता था। ये उन दिनों की बात है, जब मैं रोल पाने के लिए फिल्मी ऑफिसों के चक्कर लगाया करता था। एक जगह मुझे उम्मीद दिखी और वो थी भट्ट साहब (महेश भट्ट) का ऑफिस। लंबे स्ट्रगल के बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे मोहित से मिलवाया। तब तक मोहित की जहर आ चुकी थी और कलयुग की शूटिंग कर रहे थे। उसी वक्त उन्होंने कहा कि वे मुझे अपनी अगली फिल्म में लेंगे। मगर उन्होंने ये भी कहा कि शाद नेगेटिव रोल है। उस वक्त तो मैं सिर्फ काम करना चाहता था, तो बस इस तरह वो लम्हे से मेरी जर्नी शुरू हुई। मेरे काम को सराहा गया और मुझे अपने रोल के लिए अवॉर्ड भी मिला।

रेस्टॉरेंट्स और डायमंड्स में किस्मत आजमाई

अच्छी शुरुआत के बावजूद शाद के करियर में शायद ने भी काफी उतार-चढ़ाव देखे। वे कहते हैं, कई बार रिजेक्ट भी हुआ, मगर परिवार और दोस्तों का सपोर्ट हमेशा रहा। अपने मुश्किल दौर का जीकर करते हुए वे कहते हैं, आशिकी 2 के बाद मैं लगातार काम पाने की कोशिश कर रहा था, मगर काम मिल नहीं रहा था, तब मैंने डायमंड्स के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर मैंने रेस्टॉरेंट्स में भी किस्मत आजमाई। बाहर से भले लगे कि ये काफी चकाचौंध वाली लाइन है, मगर मेरे लिए ऐसा नहीं था।

इन दो निर्देशकों ने हमेशा काम दिया

शाद रंधावा की एक के बाद एक करके दोनों फिल्में, पहले सैयारा और अब हालिया दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। वे कहते हैं, मेरा मानना है कि फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं तो इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। लेकिन मुझे बहुत अच्छा लगता है कि इन दोनों निर्देशकों ने मुझ पर हमेशा यकीन रखा। इन दोनों निर्देशकों ने मुझे हमेशा काम दिया। दीवानियत से पहले मैं मिलाप के साथ मरजांवा और सत्यमेव जयते 2 में काम कर चुका हूं। जहां तक मोहित की बात है, तो उसके साथ मैंने अपने करियर की शुरुआत वो लम्हे से की थी और उसके बाद मैं आवारापन, आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, एक विलेन रिटर्न्स जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा रहा।

हर्षवर्धन राणे ने अपने हिस्से के डायलॉग मुझे दिए

हाल ही में दीवानियत में सावंत के रोल से फेमस हुए शाद फिल्म के नायक हर्षवर्धन राणे के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहते हैं, हर्ष के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि उनमें काम करने की भूख और नियत दोनों ही जबरदस्त है। पूरी टीम ही इस जज्बे से जुड़ी रही। हर्ष पर मैं शूटिंग से पहले एक ही बार मिला था और जिस दिन मैं सेट पर मिला तो उन्होंने मुझसे साफ़ तौर पर कहा कि स्क्रिप्ट में सावंत के किरदार में उतना रस नहीं है, मगर भाई हम लोग इस किरदार और मेरे चरित्र विक्रम आदित्य की एक अलग ही केमेस्ट्री बनाएंगे। उन्होंने वो फिल्म में किया।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी।इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सजा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाज़ीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ 'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंज़रवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने।ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्सः पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क

नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपब्लिकन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुई।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्रिश्चियन नेशनलिज्म को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुईं भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और

ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेज़ुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, ज20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच

पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'ज20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया

गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com